आदि भारती
भाग 2
आदि भारती

आदि भारती

(दूसरा भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226005 (उ०प्र०)

आदि भारती
(दूसरा भाग)

रचना मण्डल :

डॉ० निरंजन कुमार सिंह
डॉ० श्यामलाकान्त वर्मा
लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय
डॉ० टी० आर० सिंह
लायक राम 'मानव'
श्यामलाल
विश्वनाथ सिंह
गणेश शंकर चौधरी

पुनर्निर्माण :

डॉ० देवेन्द्र सिंह
डॉ० धर्म सिंह
श्यामलाल
विश्वनाथ सिंह

आवरण एवं कला पक्ष :

के० जी० सिंह
डी० वी० दीक्षित
कु० पूनम शाही
कु० मीरा गुप्ता

प्रथम संस्करण
मार्च, 1990

प्रकाशक :

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ-226005 (उ.प्र.)

मुद्रक :
प्रेम प्रिंटिंग प्रेस,
257-गोलागंज, लखनऊ-226018 (उ.प्र.)

आदि भारती

(दूसरा भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं०	मूल शब्द	वर्ण/ मात्राएँ	गणित	विषय क्षेत्र	ग.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1	लौवा बथुआ टमाटर	ौ व थ ट	51 से 60 तक गिनती	गृह वाटिका	स्वास्थ्य, कौशल विकास, चेतना-जागृति
2.	ठका शोषण	ठ श ष ण	61 से 70 तक गिनती	शोषण से मुक्ति	सामाजिक एकता, चेतना-जागृति
3.	कविता	–	–	आदिवासी जीवन	कौशल विकास, चेतना-जागृति
जाँच पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)					
4.	एकता सभा पंचायत फैसला	ए भ च फ	71 से 80 तक गिनती	एकता, न्याय	राष्ट्रीय एकता, न्याय
5.	ऋण बछिया पड़िया ऊन अंडा	ऋ छ ड़ ऊ अं ड	81 से 90 तक गिनती	ऋण योजना, गृह उद्योग	आर्थिक कार्यकलाप, कौशल विकास, चेतना-जागृति
6.	औरत ओढ़नी गेंना	औ ओ ढ़ ऐ	91 से 100 तक गिनती	नर-नारी समानता	समानता, चेतना-जागृति
जाँच पत्र : 5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)					
7.	कक्षा ज्ञान पत्र	क्ष ज्ञ त्र	जोड़ का ज्ञान	शिक्षा का महत्त्व	साक्षरता, राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति
8.	कविता	–	घटाने का ज्ञान	संस्कृति	सांस्कृतिक कार्यक्रम
9.	संयुक्ताक्षर (पाई हटाकर बनने वाले)	–	गुणा का ज्ञान जोड़, घटाना, गुणा	स्वास्थ्य रक्षा	स्वास्थ्य-सफाई, पौष्टिक भोजन, चेतना-जागृति
10.	संयुक्ताक्षर (घुंडी हटाकर व हलन्त लगाकर बनने वाले)	–	भाग का ज्ञान भाग-गुणा अभ्यास	राष्ट्रीय प्रतीक	राष्ट्रीय मूल्य, देश-प्रेम, चेतना-जागृति
जाँच पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)					
प्रमाण-पत्र					

पाठ 1

लौवा बथुआ टमाटर

ौ व थ ट

ौ	कौआ	नौकर	मुगौरी	दौलत	पौधा
व	वन	उपवन	विवाह	विवेक	हवा
थ	थन	थाना	थैला	साथी	थोक
ट	टाट	टीला	टोला	टोटका	मटर

लौवा, बथुआ और टमाटर, हरी सब्जियाँ सारी,
खाकर इन्हें विटामिन पाते, भग जाती बीमारी।

गौना	लौकी	तौलिया	दवा	सवाल
वेग	मथानी	नथुनी	थुनी	पोथी
बटाई	टेसू	खटोला	टंगारी	मटमैला

मेरी बगिया

मटरू खेत से आया। घर में धीरे से घुसा। धीरे से ही पुकारा—गौरी ....! गौरी नहीं बोली। बोलती कैसे ? वह तो घर से बाहर बगिया में थी।

मटरू ने इधर-उधर देखा—रसोई में, दालान में। गौरी नहीं मिली। मटरू घर के बाहर गौरी को

खोजने जा रहा था। तभी बगिया से गौरी का गीत सुनाई दिया।

''मेरी बगिया में लौकी, टमाटर,
पपीता, अनार लगे हो।
जब से पाया है बथुआ व गाजर,
रसोई के ....''

''अरे गौरी, तुम यहाँ हो?'' मटरू आ गया, बोला–''गौरी, तुमको मैं घर में खोज रहा था।''

''तो खोजो,'' गौरी ने हँसते हुए कहा–''मैं तो अपनी बगिया में रहती हूँ। बगिया में ही लौकी, चौलाई, पालक उगाती हूँ। रसोई में पकाती हूँ, खाती हूँ, मोटी होती जाती हूँ।''

''नहीं गौरी, आज रतन कह रहा था–गौरी ने मटरू के घर को चमका दिया।''

''चमका दिया का मतलब ?''

''यही कि जहाँ टूटा हुआ घर था, वहाँ सुन्दर-सी बगिया लग गई।''

''हाँ-जी।'' कहकर गौरी हँसने लगी। मटरू भी हँसने लगा। उन दोनों का जीवन हँसने लगा।

51 52 53 54 55 56 57 58 59 60

अभ्यास 1

1. नीचे दिए हुए शब्दों में से व, थ, ट और ौ की मात्रा वाले शब्द अलग-अलग लिखिए :

दौलत टमाटर पोथी विवाह हवा थोथा
टीका जौ माथा नौकर वाहन बटेर

व ....
थ ....
ट ....
ौ ....

2. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. .... खाने से सेहत बनती है।
(मसाला/बथुआ)

2. बाँस से .... बनाते हैं।
(टोकरी/झोला)

51	52	53	54	55
....	....	....	....	....
56	57	58	59	60
....	....	....	....	....

3 2 46 से 55 तक गिनती लिखिए :

....

पाठ 2

ठेका शोषण
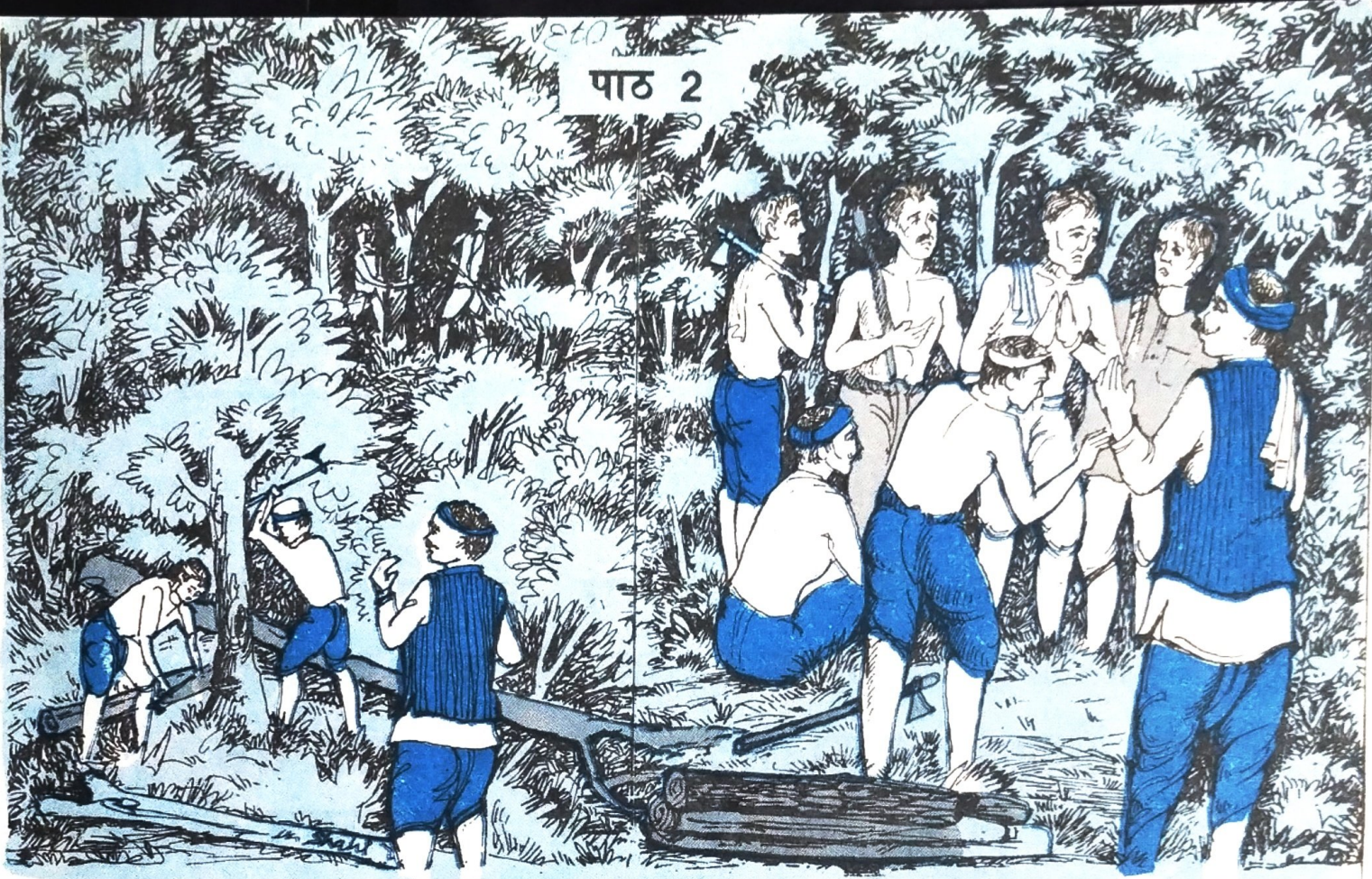
ठ शषण

ठ	ठाठ	ठठेरा	ठिगना	ठीक	ठोकर
श	शरीर	शादी	शेर	शरीफा	शीशा
ष	पुरुष	शेष	आशीष	हितैषी	दोष
ण	गुण	गणेश	गणित	गुणा	पुराण

ठेका ले वे शोषण करते, हम सब गए सताए,
अब हमको क्या करना होगा, प्रश्न खड़ा मुँह बाए।

कठौता लाठी पाठ ·शौकीन ·शंख
·शंकर ·शोर ·शोषित संतोष
जागरण पोषण जनगणना घोषणा

जंगल का ठेका

(ठाकुर ·शेर सिंह अपने घर के सामने बैठे हैं। मिठाईलाल आता है। दोनों में बातें होती हैं)

·शेर सिंह : कहो मिठाईलाल, कोई खास बात है ?

मिठाईलाल : हाँ ठाकुर साहब, वही बताने आया हूँ।

·शेर सिंह : (मिठाईलाल के पास खिसक कर) **बताओ न, कौन-सी बात है ?**

मिठाईलाल : आप दस साल से शंकरपुर के जंगल का ठेका ले रहे हैं न, लेकिन, अबकी···।

शेर सिंह : हाँ-हाँ बोलो ··· अबकी गणेश सिंह आ रहा है सामने, या वह शैतान किशोर ··· ।

मिठाईलाल : नहीं-नहीं ठाकुर साहब ! न गणेश, न किशोर, इनमें से कोई नहीं।

शेर सिंह : तब कौन है ? बता न ··· ।

(शेर सिंह की बेटी रमा आती है)

रमा : मैं बताती हूँ पिता जी, इस बार आपके सामने शंकरपुर की महिलाएँ आ रही हैं। वे ही जंगल का ठेका लेंगी।

शेर सिंह : महिलाएँ ··· ठेका ···।

रमा : हाँ पिता जी, उन लोगों ने समिति बनाई है—"महिला जागरण समिति," यह समिति मैंने ही बनवाई है।

शेर सिंह : तूने समिति बनवाई है ··· ?

रमा : हाँ पिता जी, मैं सुनते-सुनते थक गयी कि मेरे पिता जी आदिवासी

लोगों का शोषण करते हैं। आपकी यह बदनामी आगे नहीं होने दूँगी।

शेर सिंह : यह तू क्या कह रही है ?

रमा : हाँ, मैं अब आदिवासी लोगों का साथ दूँगी। जंगल उनका है। उनको ही जंगल का ठेका मिलेगा।

शेर सिंह : (मिठाईलाल से) देख रहे हो मिठाईलाल, जमाना कितना बदल गया है। अपनी ही बेटी, अपना ही नुकसान कर रही है।

मिठाईलाल : नुकसान नहीं ठाकुर साहब, आपका नाम कर रही है।

रमा : आप ठीक कह रहे हैं दादा जी (शेर सिंह से) अब तो मान जाइए पिता जी। ठेका जिस दिन नीलाम हो, न आप जायें, न अपने किसी को वहाँ जाने दें।

शेर सिंह : ठीक है, यही करूँगा।

(सभी जाते हैं)

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

अभ्यास 2

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और उन्हें चार-चार बार लिखिए :

ठाट-बाट ....

शहर ....

रावण ....

2. दिए हुए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए :

बैंक उधार शोषण

गणेश ने .... से रुपये लिए।

महाजन गरीबों का .... करता है।

.... का पैसा समय से लौटा दें।

3. गिनती लिखिए :

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

....

पाठ 3

हम वनवासी

वनवासी हम, वन का जीवन,
जंगल, खेती हम सबका धन।

सबकी सेवा हमने की है,
मगर गरीबी हमें मिली है।

हम सब मिलकर काम बनायें,
साथ-साथ घर-बार सजायें।

यह धरती हम सबकी माता,
हल से रहा हमारा नाता।

खेती से उपजायेंगे हम,
गीत खुशी के गायेंगे हम।

—श्यामलाकांत
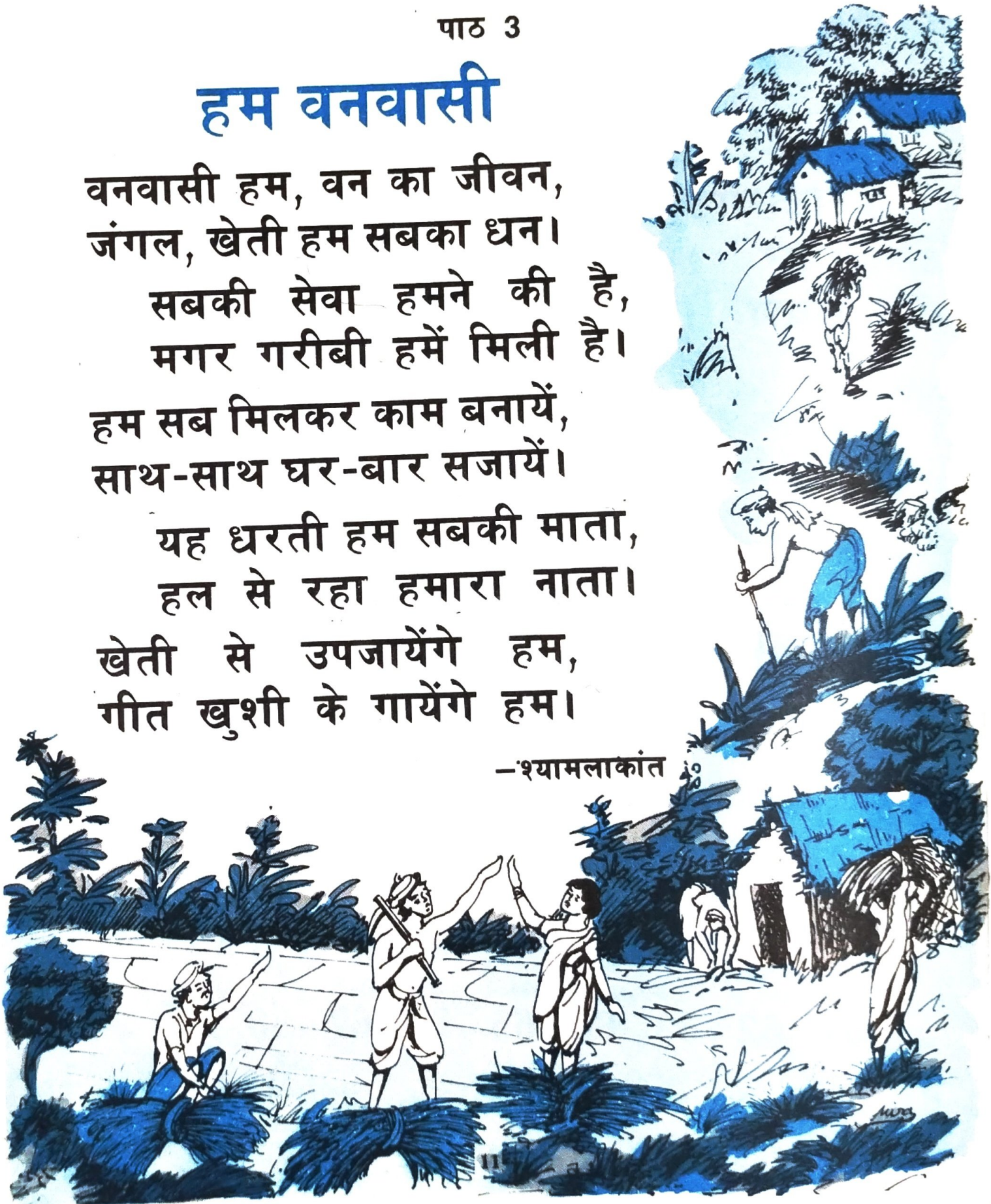
अभ्यास 3

1. अक्षरों और मात्राओं को जोड़कर लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं
क										
घ										
ट										
त										
द										
ध										
प										
ब										
म										
स										

2. 51 से 70 तक गिनती लिखिए :

51 ....

....

....

.... **70**

जाँच पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(अ) विवेक मटमैला नथुनी आशीष
गणेश रामायण जंगल पोषण

(ब) मैं तो अपनी बगिया में रहती हूँ। बगिया में ही लौकी, चौलाई, पालक उगाती हूँ। रसोई में पकाती हूँ, खाती हूँ।

2. (अ) सही वर्ण और मात्राएँ चुनकर शब्द पूरे कीजिए :

ै ण ष ट ठ

घो.....णा, पा....., म.....र, जागर....., प...धा

(ब) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. गौरी ने घर को.......... दिया।
(चमका/धमका)

2. हम खुशी के गीत..........।
(गायेंगे/खायेंगे)

3. लिखिए :

शीशा .... पुरुष ....

संतोष .... जनगणना ....

4. छूटी हुई गिनती भरिए :

51		53		55
56			59	
61		63	64	
	67			70

5. 60 से 51 तक उलटी गिनती लिखिए :

60 ....

....

एकता सभा पंचायत फैसला

ए भ च फ

ए	एक	एकाकी	एकाएक	एड़ी	एवजी
भ	भला	भाला	भील	भालू	भारत
च	चना	चार	चिरौंजी	चील	चुनरी
फ	फल	फाग	फुलवारी	फूल	फिटकरी

रहे एकता, करें सभा हम, पंचायत बैठाएँ,
अपने आप फैसला अपना, हम सब करें कराएँ।

एकादशी	एतराज	एतबार	भाषा	भैंस
भोर	लाभ	चूना	चैत	चोर
चाँद	चीता	मुनाफा	आफिस	सफाई

मिटिहनी गाँव-सभा का सभापति

आज मिटिहनी गाँव में बहुत चहल-पहल है। सुबह से ही जगह-जगह दस-दस, पाँच-पाँच लोग बात कर रहे हैं। महिलाएँ भी घर से बाहर निकल कर आपस में बातें कर रही हैं।

आज गाँव-सभा के सभापति का चुनाव होने वाला है। भीखम गाँव का एक लायक युवक है। वह

समाज सेवा में लगा रहता है। गाँव के लोग उसी को सभापति बनाना चाहते हैं।

भंजन भी चुनाव में खड़ा हो गया है। गाँव के अधिकतर लोग भंजन को नहीं चाहते। रतन गाँव का एक समझदार आदमी है। गाँव के बहुत से लोगों को लेकर रतन भंजन के यहाँ पहुँचा। तारा भी वहाँ पहुँच गयी। उसके साथ गाँव की महिलाएँ भी थीं। रतन ने भंजन को समझाया कि वह अपना नाम वापस ले ले। इसमें भीखम बिना विरोध के ही सभापति चुन लिया जायेगा।

इतने लोगों को देखकर भंजन सोच में पड़ गया। उसने अपना नाम वापस ले लिया। गाँव के लोगों की एकता बनी रही। भीखम सभापति बन गया।

शाम को पंचायत जुटी। भीखम ने गाँव के लोगों से कहा–"हम लोगों को मिलकर गाँव के विकास के लिए काम करना है। सिंचाई के लिए पानी का सवाल है। हमारे गाँव में पाठशाला भी नहीं है।"

भीखम ने आगे कहा–"अब हमें थाना कचहरी भी जाने की जरूरत नहीं है। हम अपने सभी मामलों का फैसला पंचायत में कर लेंगे।

भीखम की बातें सुनकर गाँव के लोग खुश हो गए। सब उसकी तारीफ करने लगे।
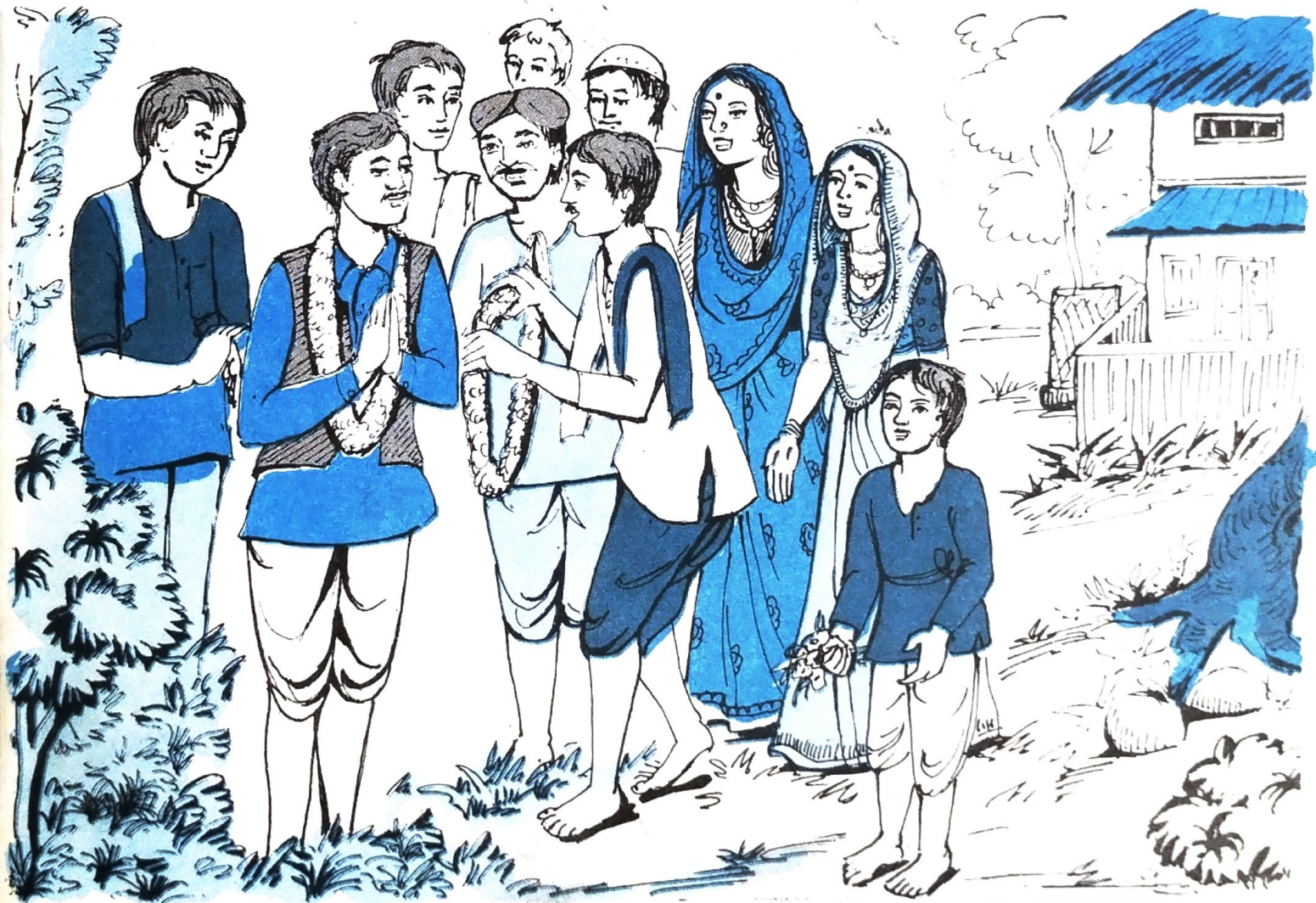
71 72 73 74 75 76 77 78 79 80

अभ्यास 4

1. पढ़िए और लिखिए :

(अ) एकाएक .... चिरौंजी ....

सिफारिश .... फैसला ....

(ब) सिंचाई के लिए पानी जरूरी है।

....

अब हमारा गाँव बहुत आगे बढ़ जाएगा।

....

2.1 गिनती लिखिए :

71	72	73	74	75
....	....	....	....	....
76	77	78	79	80
....	....	....	....	....

2.2 छूटी हुई गिनती भरिए :

61	....	....	64	....
66	....	68	....	70

पाठ 5
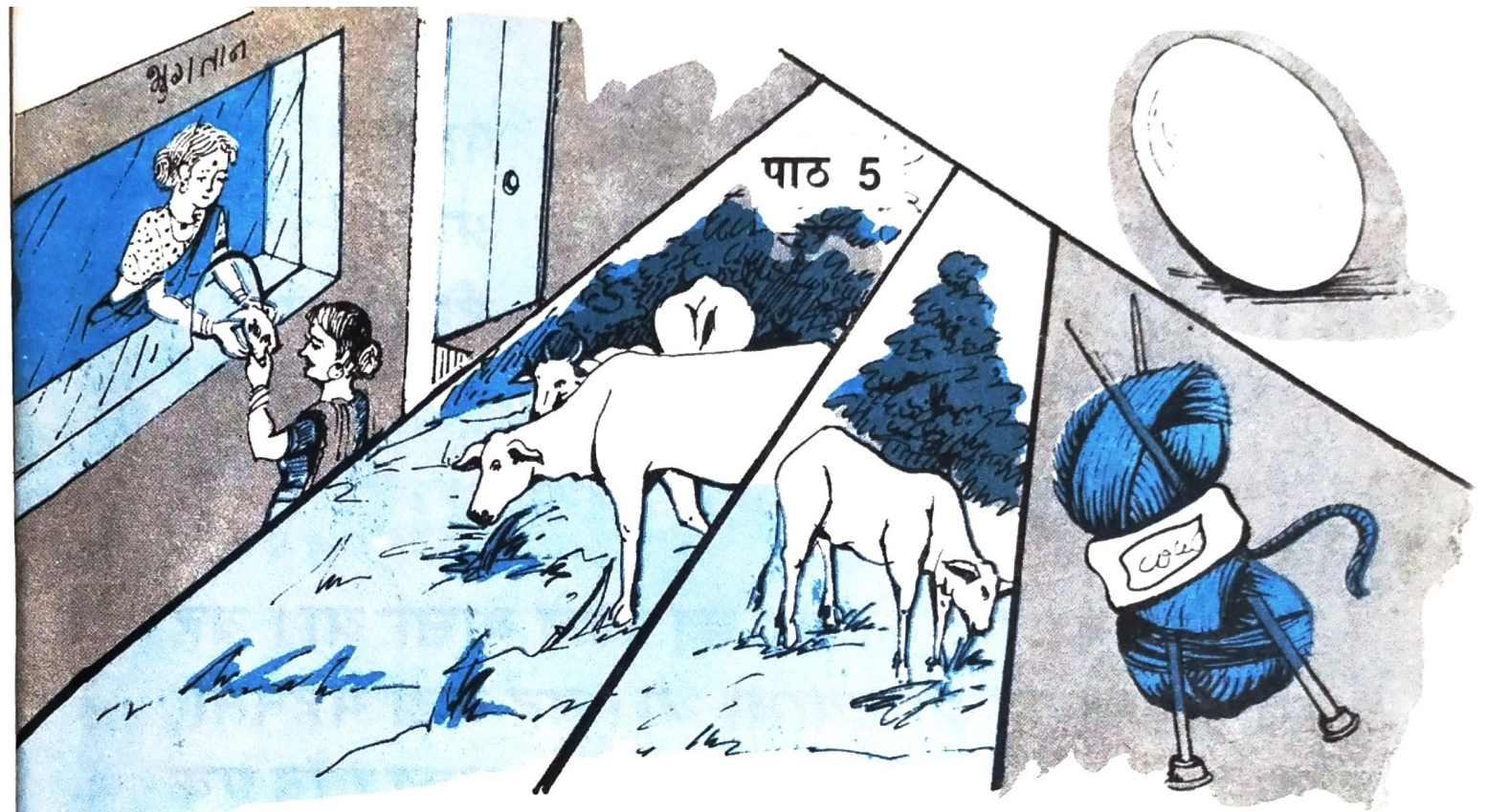
ऋण बछिया पड़िया ऊन अंडा

ऋ छ ड़ ऊ अं ड

ऋ	ऋतु	ऋषि	उऋण	
ृ	कृपा	गृह	हृदय	अमृत
छ	छत	छाया	छिपकली	छींका
ड़	पेड़	ककड़ी	मड़ाई	मकड़ी
ऊ	ऊपर	ऊसर	ऊँचा	ऊँट
अं	अंग	अंक	अंजन	अंगार
ड	डाल	डलिया	डमरू	डाकखाना

ऋण लेकर उद्योग लगाया, बछिया, पड़िया पाली,
कातें ऊन व अंडा बेचें, अब न रहें हम खाली।

सिखाएँ : 'ऋ' का संयुक्त प्रयोग 'ृ' जैसे : कृषि

छुआछूत छेरी कछुआ छीक पहाड़
सड़क बहेड़ा मड़ुआ कमाऊ अंकुर
अंश अंधा डाकिया डगर डीलडौल

लछनधारी की खुशहाली

लछनधारी कोड़ार का रहने वाला था। वह बैगा जाति का आदिवासी था। वह बड़ा मेहनती, ईमानदार तथा भोला-भाला था। उसका गाँव एक ऊँचे टीले पर बसा था। जमीन ऊँची-नीची, ऊबड़-खाबड़ थी। पास में ही नाला बहता था। पर बरसात के बाद हमेशा सूखा रहता था।

एक दिन लछनधारी की भेंट रतन से हुई। रतन ने कहा–''लछनधारी, तुम बैंक से ऋण लेकर गाय-भैंस खरीद लो। दूध का रोजगार शुरू करो। उनसे बछिया, पड़िया होंगी। उन्हें पालो-पोसो तथा रोजगार करो।

ऋण लेकर तुम मुरगी-पालन का धंधा भी शुरू कर सकते हो। आजकल अंडों का रोजगार खूब चल रहा है। यदि चाहो तो ऋण लेकर उनका

कारोबार भी शुरू कर सकते हो। इससे तुम अपनी माली हालत सुधार सकते हो।"

रतन की सलाह लछनधारी को जँच गई। उसने अपनी घर वाली से सलाह की। दोनों पास के एक सहकारी बैंक गए। उनको पशु-पालन तथा मुरगी-पालन के लिए ऋण मिल गया। दोनों ने मिलकर दूध और अंडे का कारोबार शुरू कर दिया। एक साल में ही उनकी माली हालत सुधर गई।

रतन के लिए लछनधारी के मन में आदर तथा एहसान का भाव बढ़ता गया। रतन का मन भी लछनधारी की मेहनत व खुशहाली देखकर खुशी से नाच उठता।

81 82 83 84 85 86 87 88 89 90
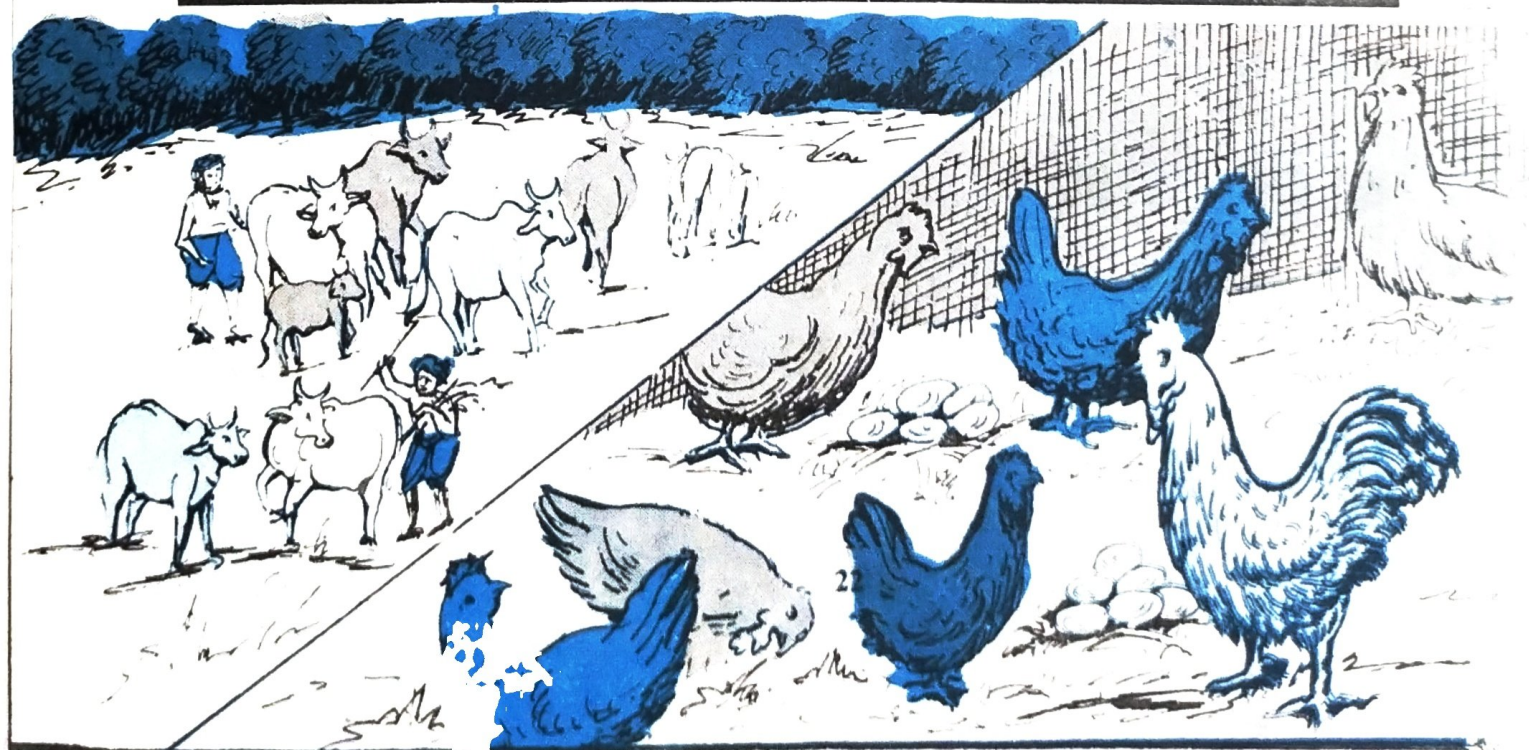
अभ्यास 5

1. पढ़िए और लिखिए :

ऊबड़-खाबड़ .... **पास-पड़ोस** ....
ऊँच-नीच .... **पेड़-पौधे** ....

2. नीचे लिखे अक्षरों से शब्द पूरे कीजिए और लिखिए :

ऊ ड ड़ छ

म....ली .... **पहा....** ....
....गर .... **....न** ....

3. चित्र देखकर नाम लिखिए :

 ....

 ....
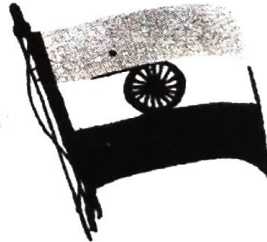
4. गिनती लिखिए :

81	**82**	**83**	**84**	**85**
....	....	....	....	....
86	**87**	**88**	**89**	**90**
....	....	....	....	....

पाठ 6

औरत ओढ़नी ऐना
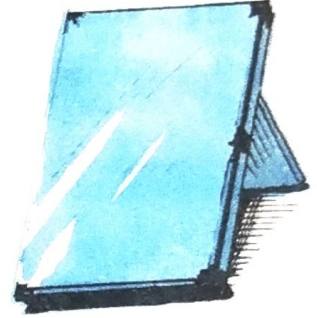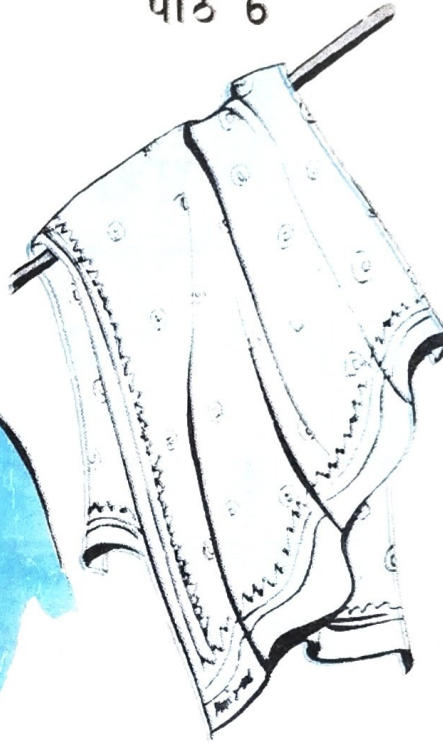
औ ओ ढ़ ऐ

औ	और	औकात	औसत	औजार
ओ	ओस	ओसारा	ओला	ओखली
ढ़	पढ़ना	बढ़ना	काढ़ना	बढ़ई
ऐ	ऐसा	ऐपन	ऐनक	ऐंठना

औरत घर की लक्ष्मी अपनी, उसे न हम बिसराएँ,
चलें गाँव बाजार, ओढ़नी, ऐना उसको लाएँ।

औलाद	औषधालय	ओट	ओझा	ओहार
ओरती	गाढ़ा	चढ़ाई	कढ़ी	बढ़िया
बूढ़ा-बूढ़ी	ऐन	ऐश	ऐबी	गढ़ी

रेनुकूट का बाजार

आज रेनुकूट के बाजार का दिन था। अहिबरन ओमवती के साथ बाजार गया। उसकी मइया कमरी भी जिद करके साथ गई।

बाजार में बड़ी चहल-पहल थी। दुकानों में तरह-तरह की चीजें बिक रही थीं। कहीं चोटी-बिंदी थी, तो कहीं ओढ़नी और ऐना। मिठाई की भी कई दुकानें थीं। गरम-गरम जलेबी बन रही थी।
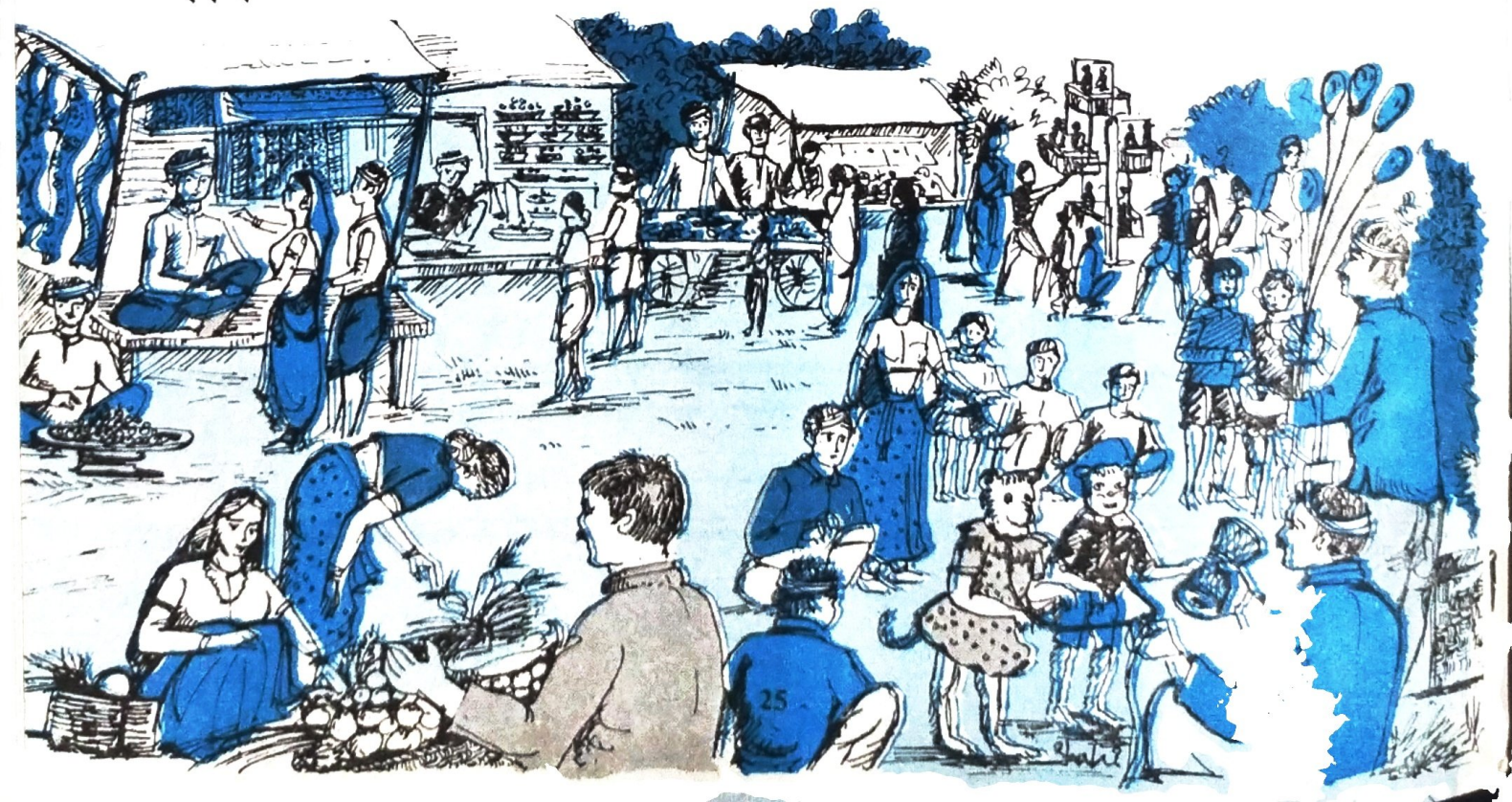
आस-पास के आदिवासी भी बहुत-सी चीजें बेचने के लिए लाये थे। कोई अपने खेत की ताजी तरकारी लाया था, तो कोई महकता हुआ महुआ। कुछ औरतें खीरों का ढेर सामने लगाकर बैठी थीं।

फसल का मौसम तो नहीं था, फिर भी ओमवती ने थोड़ी चिरौंजी बचाकर रखी थी। उसने एक किनारे अपनी पोटली खोली। चिरौंजी हाथों हाथ बिक गयी। काफी पैसे आ गए।

एक दुकान में तरह-तरह के सिले-सिलाए कपड़े बिक रहे थे। रंग-बिरंगी ओढ़नियाँ देखकर कमरी ठिठक गयी। वह ऐसी अड़ी कि लाल रंग की एक ओढ़नी लेकर ही आगे बढ़ी।

बाजार में जानवर भी बिकने आए थे। उनकी हाट एक ओर अलग लगी थी। सुधरी जाति की छेरी और बछेरू देखकर अहिबरन रुक गया। उसकी बकरी तो ऐसी नहीं है, न बछेरू इतना तगड़ा है। बेचने वाले ने बताया कि सुधरी जाति के जानवर पालने में ही फायदा है।

इस तरह वे लोग दो बजे तक बाजार में घूमते रहे। लड़की के लिए चोटी खरीदी। उसकी माँ ने

अपने लिए बिंदी ली। अहिबरन ने घर के लिए नमक और गुड़ खरीदा।

सूरज डूबने वाला था। अहिबरन अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी घर की ओर लौट पड़ा।

91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

अभ्यास 6

1. नीचे लिखे शब्दों में से औ, ओ, ढ़, ऐ वाले शब्दों को छाँटिए और उन्हें दो-दो बार लिखिए :

बुढ़िया ऐश-आराम औरत ओट

औ ....

ओ ....

ढ़ ....

ऐ ....

2. पढ़िए और लिखिए :

औलाद को पढ़ाओ और लिखाओ।

....

पेड़ कट जाने से बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

....

3. गिनती लिखिए :

91	92	93	94	95
....	....	....	....	....
96	97	98	99	100
....	....	....	....	......

जाँच पत्र : 5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़िए :

देश के विकास के लिए एकता जरूरी है।

बछिया और पड़िया खरीदने के लिए ऋण ले सकते हैं।

सरदी में ऊनी कपड़े पहनें।

2. दिए हुए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए :

भारत अमृत पेड़ पढ़ना

हमारे देश का नाम .... है।

मैकू ने .... सीख लिया है।

यहाँ तेंदू के .... अधिक पाए जाते हैं।

शिशु के लिए माँ का दूध .... के समान है।

3. चित्र देखकर नाम लिखिए :

 ....

 ....

 ....

 ....

4. छूटी हुई गिनती लिखिए :

....	72	....	74	....
76	....	78	....	80

5. 81 से 100 तक गिनती क्रम से लिखिए :

81	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	100

कक्षा ज्ञान पत्र
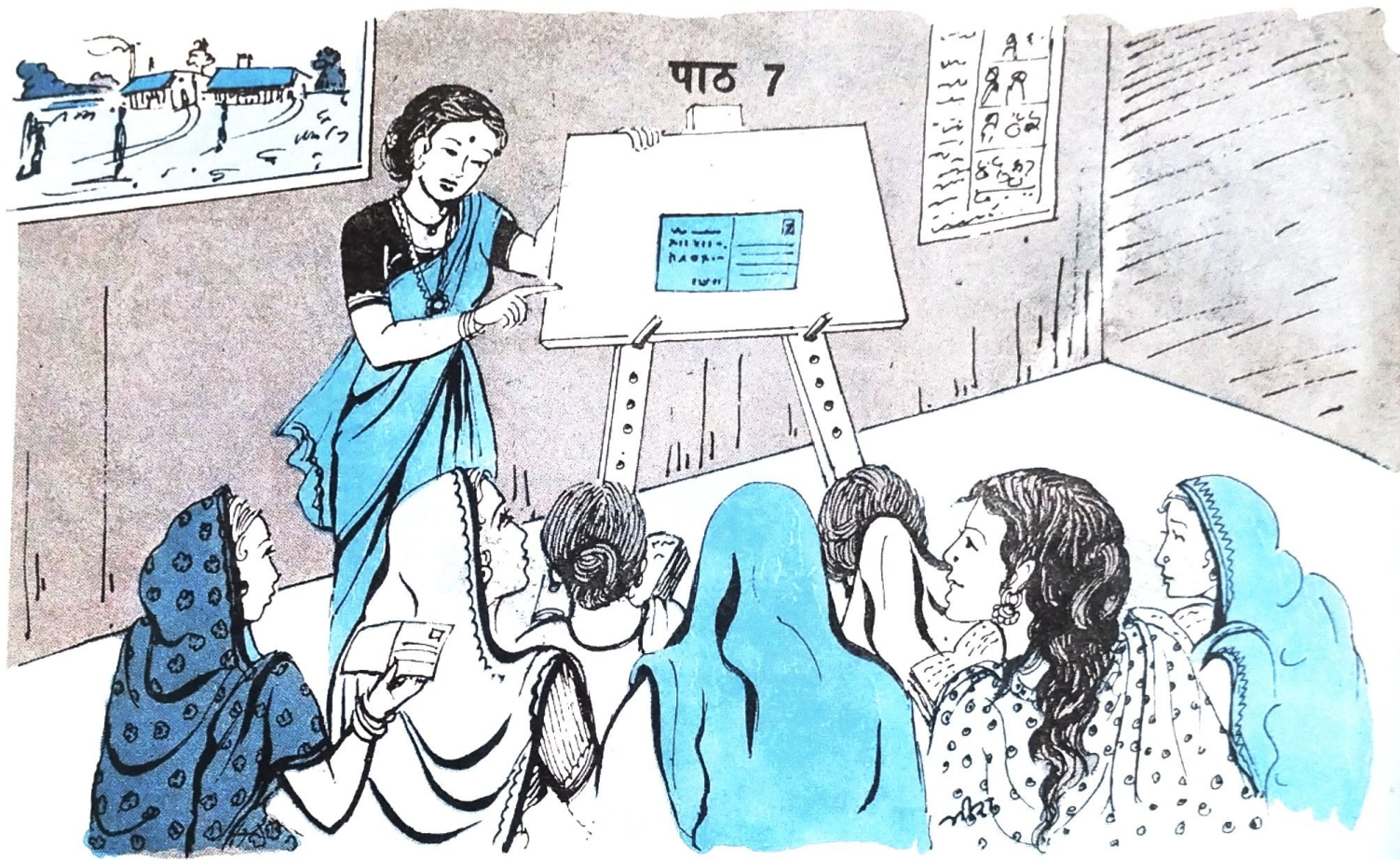
क्ष ज्ञ त्र

क्ष	क्षण	क्षमा	साक्षर	शिक्षा
ज्ञ	ज्ञाता	ज्ञापन	ज्ञानी	आज्ञा
त्र	पत्रा	पुत्र	पवित्र	शत्रु

कक्षा लगी, ज्ञान की बातें सीखें और सिखाएँ,
पत्र लिखें, हम पढ़ें-पढ़ाएँ, सबको चलो जगाएँ।

रक्षा पक्षी निरक्षर पक्ष-विपक्ष विज्ञान
आज्ञाकारी शिक्षक गणतंत्र त्रिफला मंत्री

सावित्री का पत्र

डूँगर चूँवा
बीजपुर, मिरजापुर
16-9-89

पूजनीया माता जी,

मैं बहुत दिनों से पत्र नहीं लिख सकी। आशा है, आप क्षमा करेंगी। आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमारे गाँव में एक पाठशाला खोली गई है। यहाँ निरक्षर महिलाओं को शिक्षा दी जाती है। इसमें शाम के समय दो घंटे के लिए कक्षा लगती है। आपने मुझे पढ़ा-लिखा दिया था, उसका लाभ अब मुझे मिल रहा है। मैं इस पाठशाला में शिक्षिका का काम करने लगी हूँ। गाँव की बहुत सी निरक्षर महिलाएँ यहाँ पढ़ने आती हैं। मैं उनको पढ़ना-लिखना सिखाने के साथ-साथ तरह-तरह की ज्ञान की बातें बताती हूँ।

मैंने उनको सिलाई-कढ़ाई के साथ-साथ चित्र बनाना भी सिखा दिया है। कुछ महिलाएँ तो बड़े सुंदर चित्र बनाने लगी हैं। इस पाठशाला से गाँव का पूरा वातावरण ही बदल गया है।

सभी भाई-बहनों को आशीष।

आपकी बेटी
सावित्री

अभ्यास 7

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

साक्षर	निरक्षर	पुत्र	पवित्र	आज्ञा
....	....	.....	....	....
ज्ञानी	शिक्षक	त्रिफला	पक्षी	विज्ञान
....	....	....	....	....

2. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही वाक्य बनाइए और लिखिए :

(अ)	(ब)
पढ़ाई-लिखाई से	ज्ञान बढ़ता है।
आज की बचत	कल का सहारा होती है।
भारत एक	अभिशाप है।
निरक्षरता एक	गणतंत्र देश है।

जैसे : भारत एक गणतंत्र देश है।

....

....

....

....

3. समझिए : जोड़

जोड़ का मतलब है—मिलाना। इसका चिह्न + है—

जैसे :

o o + o o = oooo

o o + o = ooo

4 + 3 = 7

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline 7 \\ \hline \end{array}$$

जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 3 \\ +\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 5 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 6 \\ +\ 1 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 8

मानर, बजे, करमही नाचे,
गीत करमहा गाए रे।
मेझरी, मेड़ो, मड़ुवा, साँवा,
कोदों घर में आए रे।।
मँगरू लिए चिरौंजी आए,
मनिका महुआ लाए रे।
बैगा, कोल, गोंड मिल गाएँ,
पनिका मौज मनाए रे।।
चार दिनों की मौज हमारी,
सूखा हमें सताए रे।
मानर बजे, करमही नाचे,
गीत करमहा गाए रे।।

ठेकेदारी, गए उजड़ हम,
छिनी जमीन हमारी रे।
बँधुआ रखकर बहुत सताया,
हम सब हुए दुखारी रे।।
मेहनत, मजदूरी धन अपना,
पढ़-लिखकर हम जागे रे।
नई चेतना हमें मिली है,
शोषण के दिन भागे रे।।
सब मिलकर अब काम करें हम,
दुख तब पास न आए रे।
मानर बजे, करमही नाचे,
गीत करमहा गाए रे।।

— श्यामला कांत

अभ्यास 8

1. चौखटे में लिखे वर्णों की सहायता से दो शब्द बनाइए :

शो	ण	दा	ष	ना

....

2. समझिए : घटाना

घटाने का मतलब है—कम करना या निकाल देना। जैसे—

एक आदमी के पास 5 रुपए हैं। उसने 4 रुपए दूसरे को दे दिया। अब उसके पास केवल 1 रुपया बचा। 5 रुपए में से 4 रुपए कम हो गए तो 1 रुपया बचा। यही घटाना है। घटाने का चिह्न (–) है। इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$$5 - 4 = 1 \quad \text{या} \quad \begin{array}{r} 5 \\ -\ 4 \\ \hline 1 \\ \hline \end{array}$$

घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 8 \\ -\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ -\ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 9

संयुक्ताक्षर

(पाई हटाकर बनने वाले)

ख्	तख्ता	मुख्य	ब्	ब्याज	सब्जी
ग्	सुग्गा	ग्वाला	भ्	अभ्यास	सभ्यता
घ्	विघ्न	शत्रुघ्न	म्	अम्मा	मरम्मत
च्	बच्चा	मच्छर	य्	शय्या	
ज्	ज्वार	सज्जन	ल्	गल्ला	कल्याण
ण्	पुण्य	अरण्य	व्	व्यायाम	व्यापार
त्	पत्ता	सत्य	श्	ईश्वर	कुश्ती
थ्	पथ्य	पृथ्वी	ष्	मनुष्य	शिष्टाचार
ध्	ध्यान	अध्ययन	स्	बस्ता	स्वस्थ
न्	अन्न	धन्यवाद	क्ष्	लक्ष्य	लक्ष्मी
प्	प्यार	छप्पर			

तन्दुरुस्ती हजार नियामत

(गोविन्द के घर की बैठक। नन्दू, रतन और गोविन्द बैठे बातें कर रहे हैं)

गोविन्द : (नन्दू से) **अपने स्वास्थ्य पर भी कुछ ध्यान दो नन्दू। तुम्हारा स्वास्थ्य आजकल कुछ.....।**

नन्दू : **अच्छा नहीं है, यही कहना चाहते हो न, तो तुम्हीं कुछ बताओ रतन भैया।**

रतन : तीन बातें ध्यान में रखो—सबसे पहले पौष्टिक भोजन, फिर शरीर और वस्त्रों की सफाई। साथ ही आस-पास की सफाई भी जरूरी है।

नन्दू : यह तो ठीक है, पर पौष्टिक भोजन के लिए पैसा कहाँ से आएगा ?

रतन : पौष्टिक भोजन का मतलब महँगा भोजन नहीं होता है नन्दू। कोई पत्तेदार साग खाओ, जैसे—चना, मेथी, सरसों, चौलाई, बथुआ आदि। मिली-जुली दालें खाओ। मौसमी फलों का सेवन करो।

गोविन्द : रतन भैया ! यह सब तो अपने खेत बगीचे की ही चीजें हैं। इनके लिए तो सचमुच बहुत पैसे की जरूरत नहीं है। हाँ, आप सफाई के विषय में भी कुछ कह रहे थे ?

रतन : हाँ नन्दू ! सफाई अच्छी तन्दुरुस्ती के लिए बहुत आवश्यक है। शरीर और

वस्त्र की सफाई पर ध्यान देना जरूरी है।

नन्दू : अच्छा रतन भैया ! आस-पास की सफाई के बारे में भी कुछ कह रहे थे ?

रतन : सभी लोग अपने घर तथा रसोई की स्वच्छता का ख्याल तो रखते ही हैं नन्दू। इसके साथ ही घर के बाहर बहने वाली नाली और नाबदान की सफाई, हैंडपम्प तथा कुँओं की सफाई पर भी ध्यान देना जरूरी है। कुँओं में समय-समय पर ब्लीचिंग पाउडर डाल देना चाहिए। पानी छानकर और ढाँक कर रखना चाहिए।

नन्दू : ये बातें तो इतनी कठिन नहीं हैं। यदि इनके अपनाने से स्वास्थ्य ठीक हो तो कल से ही कोशिश करता हूँ।

गोविन्द : करो-करो ! मैं भी तुम्हारे ही रास्ते पर चलूँगा।

अभ्यास 9

1. पढ़िए और लिखिए :

सच्चाई .... ज्वार ....

व्यापार .... कम्बल ....

सस्ता .... प्याज ....

2. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

हर काम .... से करना चाहिए ।
(ध्यान/मस्ती)

उत्तम स्वास्थ्य के लिए .... जरूरी है।
(व्यापार/व्यायाम)

काम करने में .... दिखानी चाहिए।
(सुस्ती/चुस्ती)

बैंक में पैसा जमा करने से .... मिलता है।
(ब्याज/अनाज)

3. समझिए : गुणा

$$6 + 6 + 6 = 18$$

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$6 \times 3 = 18$ या

$$\begin{array}{r} 6 \\ \times\ 3 \\ \hline 18 \\ \hline \end{array}$$

इसे गुणा करना कहते हैं। इसका चिह्न × है।

4. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r}4\\ \times 3\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}5\\ \times 6\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}3\\ \times 8\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}2\\ \times 4\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}9\\ \times 4\\ \hline \\ \hline\end{array}$$

$$\begin{array}{r}8\\ \times 6\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}3\\ \times 5\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}4\\ \times 4\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}7\\ \times 2\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}3\\ \times 3\\ \hline \\ \hline\end{array}$$

5. जोड़िए :

$$\begin{array}{r}32\\ +\ 13\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}55\\ +\ 23\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}34\\ +\ 15\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}45\\ +\ 33\\ \hline \\ \hline\end{array}$$

6. घटाइए :

$$\begin{array}{r}36\\ -\ 12\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}56\\ -\ 32\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}47\\ -\ 24\\ \hline \\ \hline\end{array}\quad \begin{array}{r}78\\ -\ 52\\ \hline \\ \hline\end{array}$$

पाठ 10

संयुक्ताक्षर

(घुंडी हटाकर बनने वाले)

क	क्यारी मक्का	प	दफ्तर मुफ्त

(हलंत लगाकर बनने वाले)

ट्	मिट्टी चिट्ठी	ठ्	पाठ्य-पुस्तक
ड्	गड्ढा कबड्डी	ढ्	धनाढ्य
द्	खद्दर विद्यालय	ह्	चिह्न जिह्वा

ट् ड् ढ् द् और ह् का संयोग दूसरे अक्षरों के साथ इस प्रकार भी होता है।

चट्टी टिड्डा हड्डी गड्ढा गद्दा
विद्या विद्वान चिह्न बाह्य अपराह्न

(र के रूप)

्र	प्रकाश	चक्र	ग्रह	नम्रता
र्	धर्म	पर्वत	गर्मी	आशीर्वाद
्र	राष्ट्र	ट्रक	ड्रम	पेट्रोल
श्र	श्री	आश्रम	परिश्रम	श्रमिक

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

हमारे राष्ट्र की पहचान के कुछ चिह्न हैं। इन्हें हम राष्ट्रीय प्रतीक कहते हैं। हमारे ये चिह्न हैं—राष्ट्रीय झंडा या राष्ट्रीय-ध्वज, राष्ट्र-गान, राज-चिह्न, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय पक्षी।

राष्ट्रीय झंडा

तिरंगा हमारा राष्ट्रीय-ध्वज है। इसमें तीन रंग हैं। सबसे ऊपर गहरा केसरिया रंग है और सबसे नीचे हरा। बीच में सफेद पट्टी है। इस पट्टी के बीच में एक चक्र बना है। इस चक्र में चौबीस तीलियाँ होती हैं।
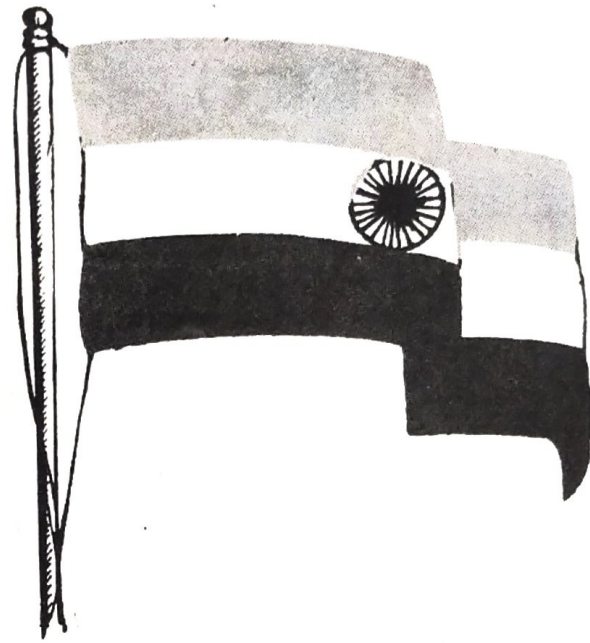
राष्ट्रीय झंडे की लम्बाई-चौड़ाई निश्चित होती है। लम्बाई और चौड़ाई में तीन और दो का अनुपात होता है। झंडे में रंगों का अपना विशेष अर्थ है। केसरिया रंग, साहस और त्याग की निशानी है। बीच की सफेद पट्टी, सच्चाई और शांति का प्रतीक है। बीच का चक्र, हमें सदा आगे बढ़ने और प्रगति करने की प्रेरणा देता है। हरा रंग, राष्ट्र की खुशहाली का चिह्न है। इससे यह भी पता चलता है कि वनस्पति से हमारा कितना निकट का नाता है।

राष्ट्र-ध्वज देश की शान है। सब देशवासी इसका सम्मान करते हैं। हमारे सैनिक राष्ट्रीय झंडा

फहराते हुए सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं।

झंडा फहराने के नियम बने हुए हैं। सरकारी भवनों पर प्रातः से सायंकाल तक झंडा फहराता हैं। सूर्यास्त के समय झंडा उतार दिया जाता है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को देश का हर नागरिक अपने मकान पर झंडा लगा सकता है। झंडा फहराते समय सब लोग सावधान की मुद्रा में खड़े रहते हैं।

झंडे का अपमान करना अपराध है। झंडे के वस्त्र को और किसी काम में नहीं लाया जा सकता। राष्ट्रीय शोक के समय झंडा आधा झुका दिया जाता है।

राष्ट्र-गान

'जन-गण-मन' हमारा राष्ट्र-गान है। सभी मुख्य समारोहों में राष्ट्र-गान गाया जाता है। बैंड पर राष्ट्र-गान की धुन भी बजती है। जब भी राष्ट्र-गान होता है, लोग सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाते हैं। राष्ट्र-गान सब लोग मिलकर गाते हैं। इसे श्री रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने लिखा था।

श्री बंकिम चन्द्र चटर्जी के लिखे हुए 'वन्दे मातरम्' गीत को भी राष्ट्र-गीत का दर्जा दिया गया है।

राज-चिह्न

भारत सरकार के कागज-पत्रों पर शेरों की मूर्ति छपी रहती है। यही भारत का राज-चिह्न है। इसे सारनाथ में प्राप्त सम्राट अशोक की लाट से लिया गया है। इसमें चार शेर हैं, किन्तु चित्र में तीन ही दिखाई देते हैं। शेरों के नीचे घोड़े और बैल का चित्र बना है। इन दो चित्रों के बीच में चक्र है। इसके नीचे लिखा रहता है-'सत्यमेव जयते'। इसका अर्थ है-सदा सत्य की ही विजय होती है।

राष्ट्रीय पशु

बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया है। अपनी चुस्ती-फुर्ती और शाही चाल के लिए बाघ प्रसिद्ध है। इसका स्वस्थ, सजीला शरीर देखते ही बनता है। उसकी दहाड़ दूर-दूर तक गूँजती है। राष्ट्रीय पशु होने के कारण बाघ को मारना अपराध है।
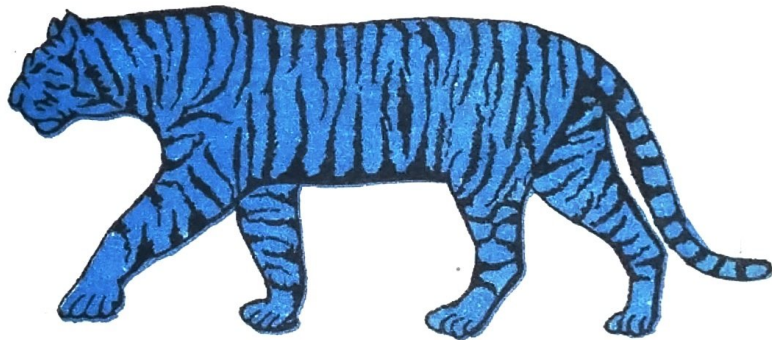
राष्ट्रीय पक्षी

मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। इसकी सुन्दरता को देखकर सभी मुग्ध हो जाते हैं। बरसात में घने बादलों को देखकर जब मोर मस्त होकर नाचने लगता है तो उसकी छटा देखते ही बनती है। मोर की हमारे यहाँ प्राचीन काल से ही प्रतिष्ठा रही है।
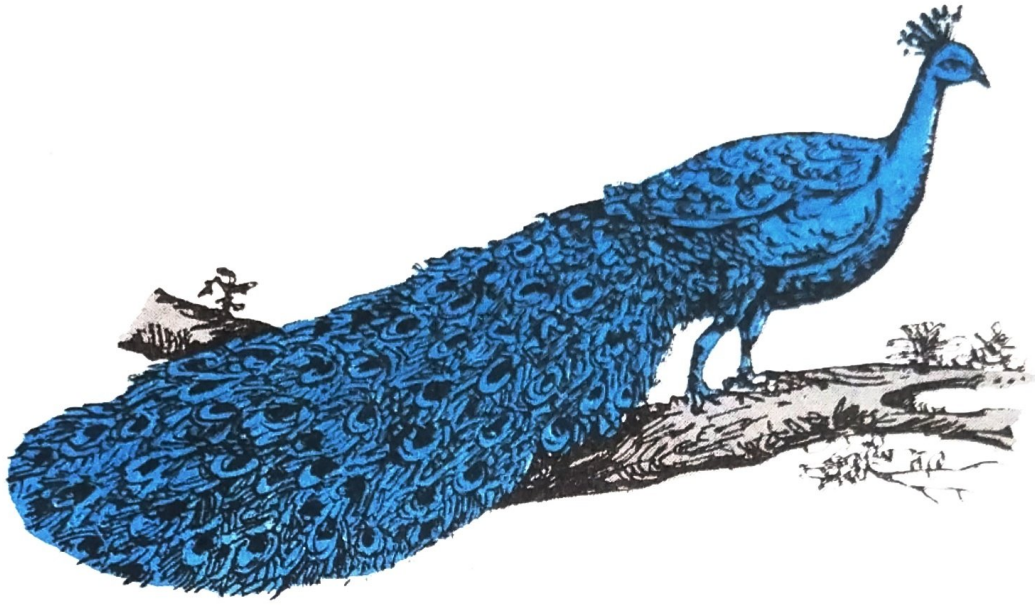
श्रीकृष्ण मोर पंख का मुकुट लगाया करते थे।
मोर को पकड़ना या मारना भी अपराध है।

अभ्यास 10

1. पढ़िए और लिखिए :

पक्का	....	रफ़्तार	....
गट्ठर	....	गद्दा	....
चिह्न	....	सोनभद्र	....
वर्षा	....	श्रीमान	....

2. सप्ताह के दिनों के नाम पढ़िए और लिखिए :

रविवार	....	गुरुवार	....
सोमवार	....	शुक्रवार	....
मंगलवार	....	शनिवार	....
बुधवार	....		

3. महीनों के नाम पढ़िए और लिखिए :

1. जनवरी	....	7. जुलाई	....
2. फरवरी	....	8. अगस्त	....
3. मार्च	....	9. सितम्बर	....
4. अप्रैल	....	10. अक्टूबर	....
5. मई	....	11. नवम्बर	....
6. जून	....	12. दिसम्बर	....

4. समझिए : भाग

किसी चीज को बराबर-बराबर हिस्सों में बाँटने को भाग देना कहते हैं। भाग का चिह्न ÷ है।

जैसे : $8 \div 2 = 4$ या 2) 8 (4

8
—
×
—

भाग दीजिए :

$6 \div 3 =$ .... $8 \div 4 =$ ....

$4 \div 2 =$ .... $9 \div 3 =$ ....

5. गुणा कीजिए

$$\begin{array}{r} 15 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 22 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 34 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 11 \\ \times 8 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 10 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 33 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 20 \\ \times 5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 30 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

जाँच पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. पढ़िए :

भारत का राष्ट्रीय झंडा तिरंगा है। इसमें तीन रंग हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग है। यह त्याग, बलिदान और वीरता का प्रतीक है। बीच में सफेद रंग की पट्टी है। इससे शांति और मैत्री झलकती है। सबसे नीचे हरा रंग है।

2. ऊपर लिखी पंक्तियों के आधार पर नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने x का चिहन लगाएँ :

- राष्ट्रीय झंडे में तीन रंग हैं। ( )
- झंडे में सबसे ऊपर हरा रंग है। ( )
- झंडे के बीच में सफेद रंग की पट्टी है। ( )

3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :
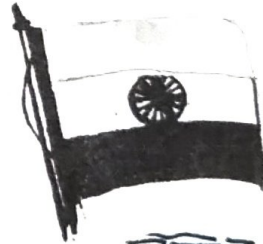
4. इमला लिखिए :

(पाठ 6 से प्रारम्भ के चार वाक्यों का इमला बोलें।)

....

....

....

....

5. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ +\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

6. घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\ 6 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

7. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ \times\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ \times\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

8. भाग दीजिए :

$6 \div 2 =$ ....

$9 \div 3 =$ ....

प्रतिभागी का नाम : .... पता : ....

प्रवेश की तिथि : ....

परीक्षा की तिथि : ....

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर :

तारीख : ....

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री .... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में **आदि भारती** (दूसरा भाग) पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक   ग्राम प्रधान   अनुदेशक

तारीख : ....